डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 39 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 18 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

हार्ट केयर
श्री सिद्धि विनायक
अब नियमित सेवाएं मंदसौर में उपलब्ध
हृदय रोगों के उपचार में अंचल का जाना पहचाना नाम
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. पवन मेहता
MBBS, M.D. (Medicine) I DM (Cardiology)
Consultant Interventional Cardiology
परामर्श समय -
प्रतिदिन प्रातः 10:00 से सायं 5:00 बजे तक
12, दशपुर कुंज रोड, सिविल हॉस्पिटल के सामने, मंदसौर (म.प्र.) 07422-490333

मुखर हुआ मौन

पिछली बार से ज्यादा मतदान, जिले का औसत आकड़ा 83.28 प्रतिशत पहुंचा

मल्हारगढ़ में सबसे ज्यादा जागरुकता दिखी, 87.08 प्रतिशत से ज्यादा लोगों ने डाले वोट

मंदसौर, 17 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पिछले काफी समय से सभी दलों के प्रत्याशियों के दावों को सुन और समझ रहे मतदाता का मौन शुक्रवार को मुखर हो गया। मतदाताओ ने क्या निर्णय दिया, यह तो 3 दिसंबर को पता चलेगा। लेकिन, इस बार जिले में 83.28 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ। जबकि, पिछले विधानसभा चुनाव की बात करें तो औसत मतदान 81.4 प्रश था। मतदान के दिन छुटपुट घटनाओं के बीच शांतिपूर्ण मतदान रहा। कई मतदान केंद्रों पर शाम 7 बजे तक भी लाइन लगी हुई थी। जबकि, निर्धारित समय 6 बजे तक था। जिनका प्रवेश मतदान केंद्र में समयावधि पूर्व हो गया था। उनसे मतदान कराया गया। मल्हारगढ़ विधानसभा में बंपर मतदान हुआ। पिछली बार यहां 86.56 प्रश वोटिंग हुई थी। इस बार यह आंकड़ा उसके आसपास अर्थात 87.08 प्रतिशत रहा। इसके अलावा पिछले चुनाव में मंदसौर में 79.36 प्रतिशत, सुवासरा 82.67 प्रतिशत, गरोठ में 79.70 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार की बात करें तो मंदसौर में 81.16 प्रश, सुवासरा में 83.52 और गरोठ में 81.50 प्रतिशत मतदान हुआ।

नवमतदाताओं और महिलाओं में दिखा ज्यादा उत्साह...

मतदान केंद्रों पर महिला मतदाताओं से लेकर नवमतदाताओं में सबसे अधिक उत्साह दिखा तो बुजुर्ग व दिव्यांग भी कोई बाइक पर तो कोई वाहन से मतदान केंद्रों तक पहुंचा। वहां भी भी व्हीलचेयर का सहारा लेकर मतदान केंद्रों तक पहुंचे और मतदान किया। मतदाताओं में अपार उत्साह के बीच केंद्रों पर भीड़ लगी रही। सुबह के समय महिलाओं की भीड़ कम रही। लेकिन, दोपहर के समय महिला मतदाताओं की भीड़ सबसे अधिक रही। 11 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच मतदान के प्रतिशत में तेजी आई।

उम्मीदवारों ने भी डाले वोट...

जिले में दोनों ही दलों के प्रत्याशियों ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर परिवार सहित केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया। इसके अलावा जिले में रहने वाले पूर्व मंत्री व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ कई अन्य नेताओं ने भी केंद्रों पर पहुंचकर मतदान किया तो मतदान केंद्रों के बाहर दोनों दलों की लगी टेबल पर बैठने वाले कार्यकर्ताओं से लेकर पदाधिकारियों में भी उत्साह रहा। वहीं दोनों दल व उनके समर्थक अपनी-अपनी सरकार और प्रत्याशियों के समर्थन में दावे करते हुए नजर आए।

सुविधा को किया दरकिनार, पहुंचे मतदान केंद्र

दिव्यांगों और बुजुर्गो के लिए घर पहुंचकर कर्मचारियों द्वारा वोटिंग करवाने की व्यवस्था की गई थी। हालांकि, कई दिव्यांग और बुजर्ग मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस महापर्व पर खुद मतदान केन्द्र पहुंचकर मतदान किया। कई शतायु और बुजुर्ग मतदाताओं के साथ दिव्यांगों ने मतदान केंद्र पहुंचकर पूरे उत्साह के साथ मतदान महापर्व में भाग लिया। वैसे सभी मतदान केन्द्रो पर केवल 1 व्हील चेयर होने से दिव्यांगो और बुजुर्गो को काफी समय तक इंतजार भी करना पड़ा।

आदर्श मतदान केन्द्रों ने किया आकर्षित...

विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए मतदाताओं में काफी उत्साह रहा। पिंक एवं आदर्श मतदान केंद्रों के माध्यम से मतदाताओं की मतदान के प्रति रूचि बड़ी। पहले मतदाताओं को लाइन में लंबी कतार के माध्यम से खड़ा होना पडता था। लेकिन, इस बार मतदाताओं को इस प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पडा। आदर्श मतदान केंद्र पर आए मतदाता कहते हैं कि यहां पर उनके बैठने के लिए सोफे लगाए गए थे। टेंट की व्यवस्था की गई थी। यहां आराम करके मतदान कर सकते है। अधिकाधिक मतदाताओं द्वारा मतदान करने की भावना को आदर्श मतदान केन्द्रों ने मजबूत किया।

महिलाओं की भी लगी लंबी कतारें...

लोकतंत्र को मजबूत करने में कोई भी वर्ग आज के समय में पीछे नहीं रहा। लोकतंत्र को मजबूत करने में महिला हो या पुरुष अथवा दिव्यांग या थर्ड जेंडर कोई भी पीछे नहीं रहे। लोकतंत्र की गाड़ी के दूसरे पहिए ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। मतदान में सहभागिता के मामले में महिलाएं भी पुरुषों से पीछे नही रहीं। कई मतदान केंद्रों में तो महिला मतदाताओं की कतार पुरुष मतदाताओं की कतार से भी लम्बी रही। हर आयु वर्ग की महिलाओं, शहरी व ग्रामीण, युवा मतदाता सभी श्रेणियों में महिला मतदाताओं की उपस्थिति दिखी। प्रातः 7 बजे से ही मतदान केंद्रों में लम्बी कतारें देखी गई।

बुजुर्ग मतदाताओं ने किया मतदान...

मतदान के लिए शतायु मतदाताओ ने बढ-चढकर हिस्सा लिया। उन मतदाताओं को सहयोग प्रदान करने के लिए वहां पर तैनात फोर्स भी पूरा - पूरा सहयोग प्रदान कर रही थी। उनके इस सहयोग से शतायु मतदाता बहुत ही सहज एवं सरल तरीके से अपने मत का प्रयोग कर पा रहे हैं। इस विषय में वृद्ध मतदाताओं का कहना था कि कर्मचारी और फोर्स के सहयोग से हमारे हौसले बुलंद होते हैं। फोर्स मतदान केंद्र के बाहर से ही हमारा हाथ पकड लेती है तथा मतदान कक्ष तक ले जाती हैं, इस वजह से मतदान करने में बहुत आसानी होती है। मतदान करने के बाद ससम्मान हमें मतदान कक्ष से बाहर तक छोड़ते है। मतदान कक्ष में बैठने के लिए सोफे, कुर्सियां की व्यवस्था की गई है। अगर प्यास लगती है, तो इसके लिए शुद्ध पेयजल की भी व्यवस्था की जा रहा है। वही छाव के लिए टेंट की व्यवस्था है।

लगा रहा आंगनवाड़ी अमला...

लोकतंत्र के महापर्व को हर्ष उल्लास एवं उत्साह से मनाने की बात कहे तो सभी मतदाताओं के जहन में एक बात आती है आखिर इतना उत्साह दिखा कहां से, और इस सवाल का जवाब देने में उन्हें तनिक भी संदेह एवं समय नही लगा, जवाब है आंगनवाड़ी की बहनो की वजह से। जिला प्रशासन के मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाकर घर घर जाकर मतदान करने का संदेश देना, आमंत्रण देना, सभी दायित्वों में पूरे मनोयोग से प्रयास करने के बाद मतदान दिवस के दिन इन आँगनवाड़ी एवं सहायिकाओ ने मतदाताओं को सहज मतदान की सुविधा प्रदान करने में कोई कसर बाकी नही रखी। गर्भवती महिलाओं का चिन्हांकन कर उन्हें सकुशल मतदान केंद्र लाना, नन्हें बच्चों की झुलाघर में देखभाल करना ताकि उनकी माताएं निश्चिन्त होकर मतदान कर सकें। दिव्यांग मतदाताओं की सहायता करना इसके साथ ही पेयजल की व्यवस्था करने में पूरी निष्ठा के साथ लगी हुई इन महिलाओं के प्रयास की जिला प्रशासन के साथ मतदाताओं ने सराहना की।

नगर सैनिक नहीं डाल पाया वोट...

एमपी के नगर सैनिक भागीरथ मालवीय ने बताया मैं 15 नवंबर को मतदान के लिए मंदसौर गया था। पर वोटर स्लिप एवं वोटर आईडी नहीं होने से मतदान नहीं कर पाया। उस समय आवेदन निरस्त करवा दिया था। जब अपने गांव कुचड़ोद मे पोलिंग क्रमांक 277 पर मतदान करने गया तो मतदान कर्मियों ने मतदान नहीं करने दिया। बोले आपका मतदान हो चुका। मैंने निवेदन भी किया। फिर भी नहीं माने। मुझे मतदान से वंचित कर दिया। ऐसी स्थिति में नगर सैनिक मायूस होकर लोटा।

साढ़े तीन दशक से एक भी कैदी ने नहीं डाला वोट

प्रतिबंधित धारा, जिलाबदर और रासुका में बंद कैदियों को है वोट डालने का अधिकार

मंदसौर 30 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। वर्षों पूर्व मंदसौर की जैल को उपजैल का दर्जा था, कुछ साल पहले यही जैल जिला जैल में तब्दील हो गई है। बात चुनावी मौसम की है, जिसमें एक भी कैदी ने मतदान नहीं किया है। ऐसा नहीं है कि मतदान पिछले वर्षों की बात हो, पिछले साढ़े तीन दशक से जैल में बंद एक भी कैदी मतदान के अधिकार के योग्य नहीं रहा। वर्तमान में मंदसौर जैल में क्षमता से ज्यादा 598 कैदी निरुद्ध हैं। जैल नियमों के अनुसार 598 कैदियों में से एक भी कैदी मतदान के अधिकार का पात्र नहीं है। ठीक इसी तरह गरोठ उपजैल की भी यही हालत है, यहां भी कोई भी कैदी मतदान का अधिकार नहीं रखता है। इसलिए किसी भी कैदी को वोट डालने नहीं दिया गया। वैसे भी यदि अधिकार होता तो जैल से डाक मतपत्र से वोट डलवाया जाता।

हालाकि, नियम कहते हैं कि प्रतिबंधित, रासुका एवं जिलाबदर कैदियों को ही मतदान का अधिकार रहता है। वर्तमान में मंदसौर जैल में उपरोक्त धाराओं में कोई भी कैदी निरुद्ध नहीं है। उधर, मतदान का दिन 17 नवंबर निकल गया है। ऐसे में जानकारी ली गई तो पता चला कि एक भी कैदी ने वोट नहीं डाला है। वैसे जिला जैल के कर्मियो ने जरुर अपने मत का उपयोग किया है।

जैल में बंद विचाराधीन कैदियों को वैसे तो जैल में रहकर ही चुनाव लड़ने का अधिकार प्राप्त है। मंदसौर जैल के इतिहास में कोई भी उम्मीदवार ऐसा नहीं रहा है, जिसने जैल में रहकर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई हो। इसके विपरित जैल में निरुद्ध कैदियों के लिए सीआरपीसी की धारा में कई प्रावधान है। उधर, मंदसौर जैल में जिलाबदर व रासुका के प्रावधान के तहत कोई भी आरोपी बंद नहीं है। वर्तमान में चुनावी मौसम है, ऐसे में जिलाबदर व रासुका में निरुद्ध किए गए आरोपियों की धरपकड़ भी होती है। हालांकि पुलिस की छानबीन में चुनावी मौसम में ऐसे आरोपी पकड़ाए नहीं है। पूर्व में जैल का रूटीन निरीक्षण जिला प्रशासन के मुखिया करते रहे है।

इनका कहना...

मंदसौर जैल में निरुद्ध कैदियों में से कोई भी मतदान के पात्र नहीं है। नियम अनुसार केवल रासुका में बंद कैदी को मतदान का अधिकार है। मंदसौर जैल में एक भी कैदी रासुका के तहत बंद नहीं है। जैल में शुक्रवार को कुल 598 कैदी बंद है। जिनमें 20 महिलाएं और डेढ़ साल का बच्चा है, जो अपनी मां के साथ है।

पीके सिंह
जैलर जिला जैल, मंदसौर

मंदसौर जैल की वर्तमान स्थिति...

कुल कैदी	598
20 महिलाएं और एक बच्चा	
मियादी अर्थात सजायाफ्ता	125
हवालाती	473

विचार-मंथन

सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं...

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में हुए बस हादसे से एक बार फिर यही साफ हुआ है कि बार-बार होने वाले ऐसी घटनाओं के बावजूद न तो सरकार की ओर से सुरक्षा इंतजामों को लेकर जरूरी गंभीरता दिखाई जाती है, न वाहन चालकों को यह ध्यान रखने की जरूरत लगती है कि उनकी मामूली लापरवाही का अंजाम क्या हो सकता है। बुधवार को किश्तवाड़ से जम्मू की ओर जा रही एक बस अनियंत्रित होकर करीब तीन सौ फुट गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में कम से कम छत्तीस लोगों की मौत हो गई और उन्नीस बुरी तरह घायल हो गए। यह पिछले कुछ समय में हुए बड़े हादसों में से एक है, जो बताता है कि तमाम संसाधनों और विकासात्मक गतिविधियों के बावजूद सड़क सुरक्षा को लेकर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। शुरुआती जांच में पुलिस ने बताया कि हादसे के वक्त सड़क पर तीन बसें एक साथ चल रही थीं। आगे निकलने की होड़ में एक बस अनियंत्रित हो गई और खाई में जा गिरी। हैरानी की बात यह है कि पहाड़ों की ऊंचाई में बनी सड़कों पर चलने के बावजूद चालक को पल भर के लिए भी यह नहीं लगा कि उसकी सबसे मामूली चूक का हश्र क्या हो सकता है। सवाल है कि अगर होड़ लगाने की वजह से ही यह हादसा हुआ तो ऐसे इलाके में वाहन चलाते हुए किसी भी चालक को इस तरह की आपराधिक लापरवाही बरतने से रोकने के लिए क्या प्रशासन की ओर से कोई इंतजाम नहीं है? निश्चित रूप से जोखिम से भरी किसी भी सड़क पर वाहनों के बीच आगे निकलने की होड़ लगाने जैसी लापरवाही के लिए शून्य सहनशीलता की नीति होनी चाहिए। इसके लिए वाहन चालकों के प्रति जिस हद तक सख्त नियम लागू करने पड़ें, किए जाने चाहिए। लेकिन किसी अन्य वजह से भी अगर कोई बस अनियंत्रित हो जाती है तो सड़क किनारे ऐसे मजबूत सुरक्षा घेरे क्यों नहीं लगाए जा सकते, जो हादसे के ज्यादा गंभीर रूप लेने से रोकने में मददगार साबित हों? यह कोई छिपा तथ्य नहीं है कि पहाड़ी राज्यों में आए दिन सड़क हादसे होते रहते हैं और ऐसी हर घटना के बाद पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा होती है, इन इलाकों में सुरक्षा इंतजामों को लेकर कुछ दिन चर्चा होती है, मगर ईमानदार इच्छाशक्ति के साथ कोई सक्रियता नहीं दिखती। किसी भी हादसे का सबक यह होना चाहिए कि ऐसे इंतजाम किए जाएं, नियमों को जमीनी स्तर पर लागू करने को लेकर ऐसी सख्ती हो, ताकि भविष्य में वैसा फिर न हो। मगर आए दिन होने वाले त्रासद हादसे हर स्तर पर बरती जाने वाली उदासीनता को ही दर्शाते हैं। अव्वल तो किसी भी हाल में निर्धारित गति से ज्यादा तेज रफ्तार से वाहन चलाने या आगे निकलने की होड़ लगाने से रोकने के लिए सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, पर्वतीय क्षेत्र की हर सड़क के किनारे क्रैश बैरिअर, पैराफिट लगाने सहित अन्य सभी सुरक्षा इंतजाम किए जाएं। पर्वतीय मार्गों पर कई जगहों पर अचानक आने वाले ऐसे मोड़ होते हैं, जहां अतिरिक्त सावधानी नहीं बरती जाए तो उसका नतीजा भयावह हो सकता है। ऐसे अप्रत्याशित हादसों को रोकने के लिए जोखिम वाली हर सड़क के किनारे क्रैश बैरिअर लगाए जाने की बातें आज भी आधी-अधूरी हैं। इसके अलावा, सड़क सुरक्षा के तहत पैराफिट लगाना, साइन बोर्ड के जरिए गति नियंत्रण से लेकर हर तरह की चेतावनी देना जैसे काम भी अगर पूरी तरह कर सुनिश्चित कर दिए जाएं, तो हादसों की संख्या और उनमें लोगों के मरने की आशंका को काफी कम किया जा सकता है।

आलोचना की भी सीमा होनी चाहिए...

अजीत द्विवेदी

भारत का एक प्राचीन नीति श्लोक है- अति सर्वत्र वर्जयेत! कई जगह इसकी विस्तार में व्याख्या मिलती है। एक व्याख्या के मुताबिक अति रूपवती होने की वजह से सीता का हरण हुआ, अति अहंकारी होने की वजह से रावण का वध हुआ और अति दानशील होने की वजह से राजा बलि को अपना सब कुछ गंवाना पड़ा। इसलिए अति से बचना चाहिए और हर कार्य में संतुलन बनाए रखना चाहिए। भारतीय जीवन दर्शन में हर तरह के अतिरेक से बचने की सलाह दी गई है और कहा गया है कि किसी भी चीज की अति व्यक्ति के गुणों को भी दुर्गुण में बदल देती है। किसी भी चीज की अति मर्यादा के उल्लंघन में बदल जाती है। जीवन का यह सूत्र राजनीति में भी लागू होना चाहिए और हर राजनेता को चाहे वह कितना भी बड़ा या छोटा क्यों न हो उसे इस सिद्धांत का पालन करना चाहिए। अपने विपक्षियों की आलोचना करते हुए भी संयमित होना चाहिए और एक सीमा का पालन करना चाहिए। साढ़े नौ साल तक प्रचंड बहुमत के साथ निर्बाध सत्ता चलाने के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके पीछे पीछे पार्टी के दूसरे नेता कांग्रेस की जैसी आलोचना करते हैं वह अक्सर अनुपात से ज्यादा और दायरे से बाहर दिखती है। कांग्रेस को भले लोकसभा में 10 फीसदी सीटें नहीं मिली है और इस वजह से उसे तकनीकी रूप से मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा नहीं मिला है लेकिन वह देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। लोकसभा में उसका स्थान है और देश के चार राज्यों में उसी सरकार है। वह अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ देश के तीन बड़े राज्यों में सरकार में शामिल है और सात-आठ राज्यों में मुख्य विपक्षी पार्टी है। ऐतिहासिक रूप से पार्टी ने आजादी की लड़ाई और उसके बाद आजाद भारत के शुरुआती दिनों में देश के निर्माण में एक भूमिका निभाई है, जिसे कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वीकार किया है। कुछ दिन पहले ही संसद के विशेष सत्र में उन्होंने आजादी के 75 साल के दौरान देश को बनाने में सभी पूर्व प्रधानमंत्रियों के योगदान की सराहना की थी। दूसरी ओर विपक्ष को प्रधानमंत्री की आलोचना में संयम बरतना चाहिए। नरेंद्र मोदी के गुजरात का मुख्यमंत्री रहते कांग्रेस ने दायरे से बाहर जाकर जो आलोचना की थी उसने उनके लिए दिल्ली की राह आसान कर दी। उसी तरह अब जिस अंदाज में उनको अडानी के लिए काम करने वाला बता कर निजी हमले हो रहे हैं उसे भी स्वस्थ राजनीतिक आलोचना नहीं कह सकते। बहरहाल, इस बात को भी सभी स्वीकार करते हैं कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए एक मजबूत विपक्ष का होना जरूरी है। सो, कांग्रेस एक मजबूत विपक्ष है, जिससे रचनात्मक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। भाजपा उसकी प्रतिद्वंद्वी पार्टी है और उसे पूरा अधिकार है कि वह कांग्रेस की आलोचना करे। चुनाव प्रचार के दौरान उस पर आरोप लगाए और लोगों से उसे वोट नहीं देने की अपील करे। लेकिन राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की आलोचना की भी एक मर्यादा होती है, सीमा होती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आलोचना के नाम पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अपनी सभाओं में कांग्रेस के लिए कह रहे हैं कि वह देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है और वह आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखती है। ये कोई साधारण आरोप नहीं है। भारत में या दुनिया के किसी भी देश में विपक्षी पार्टियों पर जो आरोप लगते हैं वे एक दायरे में होते हैं। कांग्रेस पर भी इस दायरे में आरोप लगते हैं- जैसे वह भ्रष्ट है, परिवारवादी है, उसने कोई काम नहीं किया, उसने जनता को धोखा दिया, वह एक जाति या समुदाय का तुष्टिकरण करती है आदि आदि। ये सभी राजनीतिक आरोप हैं। ये ऐसे मामले हैं, जिन्हें आरोप लगाने वाली पार्टी अदालत में नहीं ले जाती है। इन पर अंतिम फैसला कानून के जरिए किसी अदालत में नहीं होता है, बल्कि जनता करती है। परंतु देश विरोधी ताकतों से मिला होना और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखना, राजनीतिक आरोप नहीं हैं। ये गंभीर आपराधिक आरोप हैं और अगर प्रधानमंत्री इस तरह के आरोप लगा रहे हैं तो उसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को निश्चित रूप से पता होगा कि जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत प्रावधान है कि अगर कोई पार्टी देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता में विश्वास नहीं करती है यानी देश विरोधी काम करती है या गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम कानून या ऐसे ही किसी अन्य कानून के तहत पार्टी को गैरकानूनी करार दिया जाता है तो उसका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा। कांग्रेस के ऊपर देश विरोधी ताकतों से मिले होने और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखने के जो आरोप लगाए जा रहे हैं अगर वो सही हैं तो जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत उसका पंजीकरण रद्द हो जाना चाहिए और उसका नाम व चुनाव चिन्ह जब्त कर लिया जाना चाहिए। लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही है। इतने गंभीर आरोप लगाने और सत्ता में होते हुए भी उस पर कोई कार्रवाई नहीं करने के तीन मतलब निकाले जा सकते हैं। पहला, सरकार के शीर्ष स्तर से जो आरोप लगाए जा रहे हैं वो सही नहीं हैं, दूसरा, सिर्फ राजनीतिक फायदे के लिए आरोप लगाए जा रहे हैं और तीसरा, कांग्रेस के साथ साथ सरकार भी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता कर रही है। ध्यान रहे सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नाते लोकसभा में कांग्रेस के नेता संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होते हैं। अगर पार्टी देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है तो उसके नेता को कैसे ऐसी समिति का अध्यक्ष होना चाहिए, जहां तमाम संवेदनशील रिपोर्ट पेश की जाती है? लोकसभा में कांग्रेस के नेता कई अहम नियुक्तियों के लिए बनाई गई कमेटी के सदस्य होते हैं, जिनमें प्रधानमंत्री और चीफ जस्टिस भी शामिल होते हैं। वहां भी कई अहम, गोपनीय और संवेदनशील जानकारी साझा की जाती है। अगर कांग्रेस देशविरोधियों से मिली हुई है तो ऐसी संवेदनशील जगह पर भी उसके नेता को क्यों होना चाहिए? ऐसी पार्टी, जिस पर प्रधानमंत्री आरोप लगाएं कि वह देश विरोधी ताकतों से मिली हुई है और आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखती है उसे चुनाव लड़ने, संसद में बैठने और राज्यों में सरकार चलाने की भी इजाजत कैसे दी जा सकती है? क्या यह देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता से खिलवाड़ नहीं है? राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर महुआ मोइत्रा की सदस्यता छीनी जा रही है।

क्या है विपक्षी एकता का भविष्य!

बलबीर पुंज

एक बात स्पष्ट है कि इस विपक्षी गठजोड़ को लोकसभा चुनाव से पहले कई चुनौतियों से पार पाना होगा। कुछ दिन पहले जो विपक्षी कुनबा 'एकता' की बात करके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दे रहा था, उसमें वर्तमान विधानसभा चुनाव में सीट बंटवारे को लेकर सिर-फुटौव्वल सड़क पर आ गया। मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के साथ समाजवादी पार्टी गठबंधन करना चाहती थी। इस पर कांग्रेस ने मुंह मोड़ लिया। तब सपा ने न केवल 70 से अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए, अपितु पार्टी मुखिया अखिलेश यादव ने अपनी चुनावी सभाओं में अन्य विरोधियों की भांति कांग्रेस पर भी जमकर कटाक्ष करना शुरू कर दिया। मनमुटाव इतना बढ़ गया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने पत्रकारों के अखिलेश संबंधित सवाल पर कह दिया, ''अरे भाई छोड़ो, अखिलेश वखिलेश''। इससे पहले दिल्ली-पंजाब में 'आप'-कांग्रेस, तो प. बंगाल के वामपंथी, तृणमूल और कांग्रेस के नेताओं के बीच जुबानी जंग हो चुकी है। मध्य प्रदेश में सपा-कांग्रेस के टकराव का प्रभाव उत्तर प्रदेश में पड़ना स्वाभाविक है। अखिलेश यादव कह चुके हैं कि यदि प्रदेश में गठबंधन हुआ, तब भी उनकी पार्टी 80 में से 65 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, तो इसके जवाब में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने सभी सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की बात कह दी। बाद में अखिलेश ने अजय को 'चिरकुट' कहकर संबोधित कर दिया। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं। छद्म-सैकुलरवादियों की विभाजनकारी राजनीति, जिसमें अक्सर मुसलमानों को इस्लाम के नाम पर एकजुट और हिंदुओं को जातियों के नाम पर विभाजित किया जाता है, उसके अनुरूप कांग्रेस और उसके शीर्ष नेता (राहुल गांधी सहित) खुलकर जातीय जनगणना की मांग करने लगे, तो वहीं मुस्लिम तुष्टीकरण को बढ़ावा देने हेतु इसराईल-हमास युद्ध में फिलिस्तीन का समर्थन कर दिया। परंतु अखिलेश ने मध्य प्रदेश की एक चुनावी सभा में कांग्रेस की पोल खोलते हुए कह दिया कि कांग्रेस जातीय जनगणना का समर्थन इसलिए कर रही है क्योंकि उसके पारंपरिक मतदाता छिटक गए हैं। यह ठीक है कि सदियों से हिंदू समाज अस्पृश्यता से अभिशप्त है और इसके परिमार्जन हेतु एक लंबा संघर्ष भी किया गया, जिसमें अब भी काफी कुछ किया जाना शेष है। परंतु वर्तमान दौर में स्वयंभू सैकुलरवादियों द्वारा जातीय जनगणना से सामाजिक विषमता दूर करने की बात मात्र छलावा है। इनका वास्तविक उद्देश्य समरसता की बजाय टकराव को बढ़ावा देना है। जिन वंचितों का हितैषी होने का दम यह राजनीतिक कुनबा भरता है, उनके प्रति इस जमात का आचरण कैसा है, इसका उदाहरण बिहार के विधानसभा सदन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री और महादलित समाज के वरिष्ठ नेता जीतन राम मांझी पर बिफरने में मिल जाता है। मांझी शालीन भाषा में आरक्षण व्यवस्था की जमीनी सच्चाई के बारे में बता रहे थे, तभी नीतीश अपना आपा खो बैठे और शब्दों की मर्यादा भूल गए। इससे पहले नीतीश ने विधानसभा और विधानपरिषद में महिलाओं को लेकर बहुत ही असहज वक्तव्य दिया था। जन्मदर से संबंधित चर्चा में जिस सड़कछाप भाषा का इस्तेमाल नीतीश ने किया, उसने न केवल महिलाओं की गरिमा पर गहरा प्रहार किया, बल्कि आई.एन.डी.आई. गठबंधन की मानसिकता को भी उजागर कर दिया। विवाद बढ़ने पर मुख्यमंत्री नीतीश ने अपनी अभद्र टिप्पणियों के लिए माफी तो मांग ली, परंतु प्रदेश में उनके मुख्य सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के शीर्ष नेता और उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव नीतीश का बचाव करते दिखे। इस विपक्षी गठबंधन की हिंदू विरोधी मानसिकता भी सर्वविदित है। रामचरितमानस और बद्रीनाथ के बाद आई.एन.डी.आई. गठबंधन और सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने दीपावली के अवसर पर करोड़ों हिंदुओं की आस्था पर पुनः कुठाराघात करते हुए मां लक्ष्मी पर अपमानजनक टिप्पणी कर दी। इससे पहले इसी गठबंधन के एक मुख्य घटक द्रमुक ने सनातन धर्म को समाप्त करने का आह्वान किया था, जिसे कांग्रेस के कई नेताओं का भी समर्थन प्राप्त था। कई विरोधाभासों के बाद भी ये सभी विपक्षी दल एकजुट रहने का स्वांग क्यों कर रहे हैं? इसके दो कारण हैं। पहला, उनका एकमात्र लक्ष्य किसी भी सूरत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाना है। इसी कारण उनकी नीतियां भी भारत-विरोधी हो जाती हैं। भारतीय उपमहाद्वीप सदियों से इस्लामी आतंकवाद का शिकार रहा है। जब हमास के हालिया भयावह जिहादी हमले के बाद इसराईल ने प्रतिक्रियास्वरूप अपनी सैन्य कार्रवाई शुरू की, तब भारत सरकार ने इसका पुरजोर समर्थन किया। इसके उलट, 16 विपक्षी नेताओं (कांग्रेस-वामपंथी सहित) का एक समूह दिल्ली में 16 अक्तूबर को फिलिस्तीनी दूत से मिलने चला गया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते खतरे से सामाजिक भरोसा टूटने की आशंका

वक्त के साथ विज्ञान हर रोज नई ऊंचाई छूने की ओर बढ़ रहा है। मानव जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिहाज से इसकी उपलब्धियों से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर इसके समांतर तकनीकी के दुरुपयोग से जिस तरह के खतरे खड़े हो रहे हैं, उनका सामना करना आम लोगों से लेकर सरकार तक के लिए चुनौती साबित हो रहा है। इस संदर्भ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोगों, संभावनाओं और आशंकाओं पर बहस चल रही है। मगर मुश्किल यह है कि यह उच्च स्तरीय तकनीक फिलहाल जिस अवस्था में है, उसमें उपयोगिता के मुकाबले इसके खतरे भी मुख्य रूप से सामने आ रहे हैं।पिछले कुछ दिनों में देश की दो अभिनेत्रियों का जो वीडियो फैला दिया गया, वह छेड़छाड़ कर तैयार किया गया था। उसके स्वरूप और नतीजे का सिर्फ अंदाजा ही लगाया जा सकता है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के तहत 'डीप फेक' तकनीक के जरिए एक अभिनेत्री का चेहरा किसी अन्य महिला की आंगिक भंगिमा से जोड़ कर उसे अश्लील स्वरूप दे दिया गया था। यह किसी महिला की गरिमा के हनन का मामला है। मगर इसके लिए जिस डीप फेक तकनीक का उपयोग किया गया, वह इसके व्यापक खतरों का संकेत देता है। दो अभिनेत्रियों के साथ हुई इस घटना के बाद स्वाभाविक ही इस पर व्यापक चिंता उभरी है। इस मसले पर सरकार ने भी प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों को गलत सूचना, डीप फेक और नियमों का उल्लंघन करने वाली अन्य सामग्री की पहचान करने और जानकारी देने के छत्तीस घंटों के भीतर उन्हें हटाने का परामर्श जारी किया है। दरअसल, डीप फेक वीडियो को 'सिंथेटिक मीडिया' भी कहा जाता है। इसके जरिए किसी व्यक्ति की सहमति या उसे जानकारी दिए बिना उसकी तस्वीर या वीडियो को अन्य व्यक्ति की तस्वीर या वीडियो से बदल दिया जाता है। बीते कुछ समय से जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता से लैस तकनीकों का विस्तार हुआ है, उसमें बहुत सारे ऐसे लोगों की पहुंच भी इस तकनीक तक बनी है, जो इसका बेजा इस्तेमाल कर सकते हैं। किसी जानी-मानी हस्ती की तस्वीरों या उसके वीडियो से अगर छेड़छाड़ की जाती है तो ऐसे मामलों में कानूनी उपायों को लेकर सक्रियता बढ़ेगी। मगर इसके जरिए निशाना बनाए जाने पर साधारण लोगों की स्थिति क्या हो सकती है, यह समझा जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक, डीप फेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए अश्लील वीडियो में आमतौर पर महिलाओं को ही दिखाया जाता है। इसका मकसद अश्लील फिल्मों का कारोबार बढ़ाने से लेकर किसी महिला को बदनाम करना, बदला लेना या भयादोहन हो सकता है। इसके जमीनी असर को देखें तो यह तकनीक महिलाओं के खिलाफ लैंगिक हिंसा का एक नया रूप बन कर उभरा है। मगर इसके खतरे का दायरा इससे भी आगे है, जिसमें किसी भी व्यक्ति का मनमाना वीडियो तैयार करके उसका भयादोहन किया जा सकता है, उसे किसी वैसी गतिविधि में फंसाया जा सकता है, जिसमें वह कभी शामिल न रहा हो। इसके अलावा, बहुस्तरीय साइबर खतरे पैदा होने से लेकर इससे आम राय को गलत दिशा दी जा सकती है। तकनीक अपने आप में विज्ञान की उपलब्धि होती है, लेकिन इसका असर सकारात्मक होगा या नकारात्मक, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसका इस्तेमाल करने वाला व्यक्ति कैसा है। जाहिर है, मौजूदा कानूनी व्यवस्था के समांतर समय के साथ तकनीक के बेजा इस्तेमाल के बदतर होते स्वरूप पर काबू पाने की ठोस व्यवस्था नहीं की गई।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5058

8		3		1	6			
	9	1					6	
2	6	4						
			4	6			7	2
	7			3			5	
4	3			5	2			
						1	8	5
	8					7	4	
			1	7		2		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5057

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5058

संकेत: बाएं से दाएं

1. गुजरात की पहली महिला मुख्यमंत्री ने 21 नवंबर 1943 को जन्म लिया था (8)
7. पुत्र, बेटा, आनंद देने वाला (3)
8. नमी, सीलन, गुहार, तरह (2)
9. जलाशय, सरोवर, अधिक मात्रा में इकट्ठा पानी (3)
11. शुद्ध, निर्मल, पाक (2)
12. मुझे (मराठी) (2)
14. अभ्युदय काल, उन्नति के दिन (2)
15. धोखे या छल से किसी की संपत्ति या असबाब आदि लूट लेना (3)
17. ईर्ष्या करना, विलाप करना (4)
19. भीष्म साहनी का उपन्यास जिस पर टीवी धारावाहिक का निर्माण भी हुआ था, अंधेरा, अज्ञान का अंधकार (3)
21. भवसागर से पार करना (3)
23. जल से उत्पन्न होने वाला (3)
25. कीड़ों द्वारा बनाया गया इकलौता ऐसा पदार्थ जो इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
26. लाभ, फायदा (2)

(ऊपर से नीचे

1. वंदे मातरम् गीत की पंक्तियां बंकिमचंद्र चटर्जी की इस कृति से उद्धृत की गई है (5)
2. गोकुल के गोपों के मुखिया (2)
3. दयनीय अवस्था, दरिद्रता (3)
4. भाग्य, प्रारब्ध, तकदीर (3)
5. क्षण, समय का अत्यंत छोटा भाग (2)
6. चुटकुला, कोई हंसी की बात, हास्यक (3)
10. तिब्बत में बौद्धों के धर्माचार्य (2)
11. अभिभावक, संरक्षक, संरक्षण देने वाला (3)
13. किसी वस्तु के निर्माण में लगा खर्च (3)
14. भय, घबराहट (3)
16. किसी का नाम किसी बात आदि के लिए निश्चित कर लेना (4)
18. विविध, एक रिश्ता, मातामह (2)
20. सिकुड़न, सिलवट, तह (2)
22. आनंदित, प्रसन्न, सुखी (2)
24. लोक, लोग, प्रजा (2)

वर्ग पहेली 5057 का हल

कलेक्टर भोपाल आशीष सिंह ने पत्नी के साथ किया मतदान ,साथ ही भोपाल जिले के सभी मतदाताओं से अपने केंद्रों पर मतदान करने की अपील की ।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने भोपाल में किया मतदान

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने सुबह अपनी पत्नी के साथ मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाला। उन्होंने मतदान के बाद सेल्फी भी खिंचवाई

भोपाल (निप्र)। प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर आज मतदान की प्रक्रिया चल रही है। मध्य प्रदेश में 16वीं विधानसभा के चुनाव के लिए आज सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया है। इसमें प्रदेश के 5,60,58,521 करोड़ मतदाता अपनी सरकार चुनेंगे। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने भी आज सुबह राजधानी भोपाल में मतदान केंद्र पहुंचकर मताधिकार का उपयोग किया। वह अपनी पत्नी स्मिता राजन के साथ मतदान केंद्र पहुंचे और वोट डाला। मतदान करने के बाद उन्होंने पत्नी संग सेल्फी भी खिंचवाई।

सभी जगह शांतिपूर्वक मतदान: मतदान करने के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों के साथ चर्चा में कहा कि प्रदेश में 64626 मतदान केंद्रों में सुबह साढ़े पांच बजे सभी प्रत्याशियों के पोलिंग एजेंट्स की उपस्थित में पहले मोक पोल किया गया। उसके उपरांत सुबह सात बजे से सभी केंद्रों में मतदान आरंभ हो गया है। पूरे राज्य में शांतिपूर्वक मतदान चल रहा है। कहीं से कोई वारदात की या अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। कुछ स्थानों पर मोक पोल के दौरान पीएसयूसी में जरूर मामूली दिक्कत आई थी, उसको तत्काल रिप्लेस कर दिया गया था। हालांकि वो संख्या काफी कम या कहें कि नगण्य थी।

मतदान प्रक्रिया की हो रही सतत निगरानी

उन्होंने आगे कहा कि फिलहाल पूरे प्रदेश में मतदान शांतिपूर्वक चल रहा है। हम लोग लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। सभी कलेक्टर्स, सारे सेक्टर आफीसर्स और पूरी टीम लगातार फील्ड में और केंद्रीय निर्वाचन आयोग के आब्जर्वर्स भी फील्ड में हैं। सभी मिल-जुलकर प्रयास कर रहे हैं कि मतदान शांतिपूर्ण ढंग से और सुगमतापूर्वक हो। इसके लिए हमें सभी राजनीतिक दलों का भी सहयोग मिल रहा है।

सभी जगह अच्छी व्यवस्था

अनुपम राजन ने कहा कि मतदान केंद्रों पर अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं। कई जगहों पर हमारे दिव्यांग साथी और कई जगहों पर युवा साथी भी मतदान केंद्रों का संचालन कर रहे हैं।

भक्तिमय सुबह : कार्तिक माह में शहर में संकीर्तन के साथ निकल रही प्रभात फेरियां

भोपाल (निप्र)। इन दिनों कार्तिक माह चल रहा है। स्नानदान और संकीर्तन के लिए विशेष फलदायी माने जाने वाले इस माह में शहर में प्रभात फेरियां भी निकाली जा रही हैं। इसी के तहत आशिमा अनुपमा सिटी बाग मुगालिया के रहवासियों द्वारा कार्तिक माह के उपलक्ष्य में आयोजन किया जा रहा है।

राष्ट्रीय धर्म संस्कृति परिषद और रामकृष्ण प्रभात फेरी की ओर से लोगों को धर्म के प्रति जागरुक करने के लिए रोजाना प्रभात फेरी निकाली जा रही है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। अल सुबह हरे राम, हरे राम राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण, हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे महामंत्र के साथ यह प्रभात फेरी निकल रही है। इसमें ढोलक, मंजीरि, शंख ध्वनि के साथ संकीर्तन करते हुए अनेक श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। इस प्रभात फेरी में पं. जगदीश शर्मा, होशियार सिंह चौहान, सुहाग सिंह सोलंकी, रामदास गौर, प्रमोद सक्सेना सहित अनेक लोग मौजूद थे। लगभग तीन किमी की परिक्रमा इस प्रभात फेरी में शामिल होने वाले पं. जगदीश शर्मा ने बताया कि प्रभात फेरी सुबह 5.30 बजे प्रारंभ होती है। इस दौरान रॉयल सिटी से इसकी शुरुआत होती है और आसपास की कॉलोनियों और विभिन्न मंदिरों की परिक्रमा करते हुए आशिमा अनुपमा सिटी पहुंचकर इसका समापन होता है। अनेक स्थानों पर इस प्रभात फेरी का स्वागत सत्कार किया जाता है। इसमें कई युवा भी शामिल हो रहे हैं।

गुरुद्वारों से भी निकल रही प्रभात फेरी: गुरुनानक जयंती के पूर्व शहर के गुरुद्वारों में भी इन दिनों प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रभात फेरियां सुबह 5 बजे प्रारंभ हो जाती है। इसमें कीर्तन करते हुए श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। शहर की अलग-अलग कॉलोनियों में यह प्रभात फेरी निकाली जाती है और गुरुद्वारे में इसका समापन होता है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से प्रभात फेरी का आयोजन रोजाना किया जा रहा है, जो गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व तक जारी रहेगी।

ठंड ने पकड़ा जोर, पचमढ़ी से भी ठंडा रहा ग्वालियर, पारा 10.8 डिग्री पर पहुंचा

सर्द हवाएं चलने से बढ़ती जा रही है सिहरन, प्रदेश के 17 शहरों में रात का पारा 15 डिग्री सेल्सियस से कम रहा

भोपाल निप्र। उत्तर भारत की तरफ से आ रही सर्द हवाओं ने पूरे प्रदेश में सिहरन और बढ़ा दी है। इसी क्रम में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात सबसे कम 10.8 डिग्री सेल्सियस तापमान ग्वालियर में दर्ज किया गया। प्रदेश के 17 शहरों में रात का पारा 15 डिग्री सेल्सियस से कम रहा। हिल स्टेशन पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। हालांकि राजधानी भोपाल में रात का तापमान दूसरे दिन भी 15 डिग्री सेल्सियस पर बना रहा।अभी तीन-चार दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहने की संभावना है।

दिन में भी बढ़ने लगी सिहरन

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में उत्तर भारत क्षेत्र में कोई भी प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी बना हुआ है। इस वजह से दिन-रात के तापमान में गिरावट होने लगी है। गुरुवार को राजधानी भोपाल में दिन का तापमान भी 30 डिग्री सेल्सियस से कम बना रहने की संभावना है। अभी तीन-चार दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहने की संभावना है। उसके बाद एक प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। उसके बाद हवाओं का रुख बदलने से तापमान में धीरे-धीरे कुछ बढ़ोतरी होने के भी आसार हैं।

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी से घटा तापमान

बता दें, पिछले दिनों पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी देखने को मिली है. इसके अतिरिक्त मैदानी इलाकों में कुछ जगहों पर बारिश का दौर भी देखा गया, जिसके चलते तापमान घटा है. वहीं हवाओं का रुख उत्तरी व उत्तर-पूर्वी होने से उत्त प्रदेश के साथ ही मध्य प्रदेश में भी ठंड बढ़ने लगी है. प्रदेश में इस समय दिन और रात के तापमान में सामान्य से ज्यादा अंतर देखने को मिल रहा है. अगले तीन से चार दिनों तक तापमान इसी प्रकार बने रहने की संभावना है. इसके बाद पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में सक्रिय हो सकता है.

उसके बाद एक प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में सक्रिय होने के संकेत मिल रहे हैं। उसके बाद हवाओं का रुख बदलने से तापमान में धीरे-धीरे कुछ बढ़ोतरी होने के भी आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक दिनों उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी हुई थी। साथ ही मैदान क्षेत्रों में वर्षा भी हुई थी। इस वजह से वहां का वातावरण ठंडा है। वर्तमान में हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी होने से पूरे मध्य प्रदेश में ठंड बढ़ने लगी है।

चल रही उत्तरी हवाएं: मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक दिनों उत्तर भारत के पहाड़ों पर बर्फबारी हुई थी। साथ ही मैदान क्षेत्रों में वर्षा भी हुई थी। इस वजह से वहां का वातावरण ठंडा है। वर्तमान में हवाओं का रुख उत्तरी एवं उत्तर-पूर्वी होने से पूरे मध्य प्रदेश में ठंड बढ़ने लगी है।

सेवा सदन अस्पताल को स्व. मीना देवी छतवानी के नेत्रों का दान

भोपाल। विजय नगर निवासी 60 वर्षीय मीना देवी छतवानी का देहावसान आज दिनांक 16 नवम्बर 2023 को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र राजेश ने अपनी माता की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं। स्व. मीना देवी छतवानी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2050 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। कार्यपालन ट्रस्टी श्री हीरो ज्ञानचंदानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना तथा परिवार जन के प्रति स्वजन के नेत्रों का दान करवाने पर कृतज्ञता प्रकट की है।

विश्वास सारंग पहुँचे खेड़ापति दरबार

भोपाल । मतदान से पूर्व विश्वास सारंग ने पिता जी का लिया आशीर्वाद घर से निकलने से पहले पिता स्व. कैलाश सारंग जी के सामने माथा टेका ।पिता का आशीर्वाद लेने के बाद मंदिर पहुंचे विश्वास सारंग। विश्वास सारंग ने छोला स्थित खेड़ापति हनुमान जी के किए दर्शन।मंदिर पहुंच कर विश्वास सारंग ने लिया भगवान का आशीर्वाद।हनुमान जी के सामने दंडवत हुए विश्वास सारंग ।दर्शन करने के बाद क्षेत्र में निकले विश्वास सारंग।

कलेक्टर ने किया वेबकास्टिंग रूम का निरीक्षण

मंदसौर, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने क्रिटिकल मतदान केंद्रों के लिए डाइट कॉलेज मंदसौर में बनाए गए वेबकास्टिंग कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेबकास्टिंग के माध्यम से क्रिटिकल मतदान केंद्रों की निगरानी की जा रही है, उसका अवलोकन किया। उसके संबंध में जानकारी ली। डाइट कॉलेज मंदसौर में इसके लिए एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम में क्रिटिकल मतदान केंद्र, अति संवेदनशील मतदान केंद्र की वेबकास्टिंग की जा रही थी तथा उन मतदान केंद्रों का लाइव इस कंट्रोल रूम के माध्यम से दिख रहा था।

गुर्जर दम्पति ने किया मतदान

मंदसौर 30 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री बंशीलाल गुर्जर, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर ने शुक्रवार को विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु अपने मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान किया। श्री गुर्जर व श्रीमती गुर्जर ने संजीत रोड स्थित श्रद्धानंद बाल मंदिर के मतदान केन्द्र क्रमांक 74 में पहुंचकर मतदान किया। श्री गुर्जर व श्रीमती गुर्जर ने मतदान करने के बाद मतदान केन्द्र के बाहर आकर संजीत रोड क्षेत्र में भ्रमण कर अन्य लोगों से भी बड़चढ़कर मतदान करने की अपील की।

प्रेक्षक जावले एवं श्रीमती विजयारानी ने किया माकपोल एवं मतदान केंद्रों का निरीक्षण

नीमच, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक श्री किशन नारायण राव जावले एवं श्रीमती जे.विजयारानी ने शुक्रवार को नीमच जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में सुबह से ही मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर माकपोल का निरीक्षण किया और मतदान केंद्र पर स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सुचारू मतदान व्यवस्था का जायजा लिया।

प्रेक्षक श्री किशन नारायण राव जावले ने शुक्रवार को नीमच विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर माकपोल एवं सुचारू सुव्यवस्थित मतदान व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं एस.पी.श्री अमित कुमार तोलानी ने नीमच एवं जावद विधानसभा क्षेत्रों के क्रीटीकल मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था एवं सुव्यवस्थित सुचारू मतदान व्यवस्था का जायजा लिया।

नीमच जिले में मतदान के प्रति अपार उत्साह

कलेक्टर एवं एसपी ने सुचारू मतदान व्यवस्था का जायजा लिया

नीमच, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत 17 नवम्बर को मतदान के प्रति मतदाताओं में अपार उत्साह देखने को मिला। कई मतदान केंद्रों पर सुबह से ही मतदान के लिए मतदाताओं की कतारें देखने को मिली। कलेक्टर श्री दिनेश जैन, एसपी श्री अमित कुमार तोलानी ने सुबह से ही नीमच जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर सुचारू मतदान व्यतवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर एवं एसपी ने बघाना, ग्वा लटोली, नीमच सिटी, कचहरी, मूलचंद मार्ग, एकता कॉलोनी, अम्बेंडकर कॉलोनी नीमच, यादवमण्डी एवं चीताखेडा, दलपतपुरा, झाझरवाडा एवं जीरन के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण सुचारू सुव्यवस्थित मतदान कार्य का जायजा लिया और मतदान कर्मियों, सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ट्रांसजेन्डर मतदाताओं ने भी मतदान में निभाई भागीदारी

नीमच, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत 17 नवम्बर 2023 को जिले में हुए मतदान में ट्रांसजेन्ड र मतदाताओं ने भी मतदान कर अपनी सक्रीय भागीदार निभाई हैं। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत नयागॉव निवासी ट्रांसजेन्डकर मतदाता मुस्कान, नीमच की ट्रांसजेन्डर मतदाता लता ऑन्टीय एवं कनावटी की ट्रांसजेन्डर एक मतदाता ने भी अपना मतदान कर, अपनी भागीदारी निभाई है।

सहस्त्र शिवलिंग मंदिर में घटिया निर्माण का मामला...

टाईल्स ने दिया चुनाव के दिन तनाव

फिर सामने आया घटिया निर्माण, निकलकर गिरी दीवार की टाईल्स

मंदसौर, 17 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पशुपतिनाथ मंदिर में बने करोड़ो की लागत के सहस्त्र शिवलिंग मंदिर में भ्रष्टाचार के आरोप लगातार लगे हैं। कई बार भ्रष्टाचार की गवाही यहां प्रयोग की गई निर्माण सामग्री ने भी दी है। एक बार फिर मतदान के दिन दीवार पर लगी टाईल्स तनाव दे गई। मंदिर की दीवार पर लगी टाईल्स निकलकर नीचे गिर गई। देखने में सहज रूप से महसूस किया जा सकता था कि टाईल्स निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार या लापरवाही की बात कह रही हो। खैर, यह जांच का विषय है, लेकिन विपक्ष ने इस मुद्दे को मतदान के दिन खासा भुनाया। वैसे तो सोशल मीडिया पर निर्वाचन आयोग ने सख्ती की थी। लेकिन, टाईल्स को लेकर सत्तापक्ष पर खासा निशाना साधा गया।

पांच करोड़ का मंदिर, ठेकेदार पर मेहरबानी...

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के समीप ही सहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर का निर्माण हुआ है। 5 करोड़ रुपए की लागत से बने इस मंदिर में घटिया निर्माण पूर्व में उजागर होने के बाद भी ठेकेदार पर मेहरबानी बनी रही। मंदिर प्रबंध समिति ने अब तक इस मामले में ठेकेदार पर कार्रवाई नहीं की। उखड़ते ओर दरकते हुए मार्बल को बार-बार बदलवाना ही प्रबंध समिति का काम बन गया है।

कराई मरम्मत, फिर भी निकला मार्बल...

अधिकारियों ने काले सॉल्यूशन से चिपकाने से लेकर पुट्टी से इसकी मरम्मत कराई थी। लेकिन, फिर से मार्बल उखड़ने लगा। मार्बल उखड़ने और टूटने से लेकर रैलिंग टूटने सहित काम की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हुए थे, तब भी इसकी मरम्मत कराई गई ना कि कार्रवाई की गई और इस बार फिर वही हो रहा है। एक बार फिर दिवार से गिरी टाईल्स ने घटिया निर्माण की गवाही दी।

कई जगह से टूटा मार्बल...

लोकार्पण के बाद निकलते मार्बल को लगवाना तो दूर कोई देखने तक नहीं पहुंचा। सहस्त्र शिवलिंग महादेव मंदिर के बाहर परिसर में मार्बल कई जगह पर टूट गया। जिससे दरारें अनेक जगह दिखाई देने लगी। रैलिंग टूट गई तो स्केटिंग भी अनेक जगहों से निकलने लगी। बाहरी सीढ़ियों से लेकर अंदर तक अनेक जगहों पर ऐसी स्थिति बन रही है।

8 मई को सीएम ने किया लोकार्पण...

मई-2018 में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने इस मंदिर के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया था। इसके बाद से धीमी गति से काम चलता रहा। जैसे-तैसे बनकर तैयार हुआ तो 8 मई 2022 को मुख्यमंत्री ने ही मंदसौर पहुंचकर सहस्त्र शिवलिंग मंदिर का लोकार्पण किया। यहां पूजा-अर्चना की। लेकिन महज चार माह में ही यहां हुए काम की गुणवत्ता दीवारों से निकलते टाईल्स तो परिसर से उखड़ते और पिल्लर के साथ अन्य जगहों से निकलते हुए मार्बल और टूटती हुई रैलिंग से दिखी। मामला उजागर किया तो आनन-फानन में मरम्मत का काम शुरु कर दिया। लेकिन, 6 माह के बाद फिर से मार्बल उखड़ने से लेकर स्केटिंग निकलने का मामला सामने आया है और टूटा मार्बल फिर बदला गया। एक बार फिर शुक्रवार को मतदान के दिन टाईल्स तनाव दे गई।

जिले में 83.28 प्रतिशत हुआ मतदान

मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुआ सर्वाधिक 87.08 प्रतिशत मतदान
विधानसभा क्षेत्र मंदसौर में 81.16, सुवासरा में 83.52 व गरोठ में 81.50 प्रतिशत रहा मतदान

मंदसौर, 17 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए मंदसौर जिले में आज मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। मंदसौर जिले में कुल 83.28 प्रतिशत मतदान हुआ। मंदसौर जिले में कुल 1033171 मतदाताओं में से 860422 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मंदसौर जिले में कुल 522227 पुरूषों में से 446632 पुरूषों ने मतदान किया। इस तरह पुरूषों का मतदान का 85.52 प्रतिशत रहा। इसी तरह मंदसौर जिले में 510933 महिला मतदाताओं में से 413784 ने मतदान किया। इस तरह महिलाओं का मतदान प्रतिशत 80.99 रहा।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में कुल 260079 में से 211070 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में 81.16 प्रतिशत मतदान हुआ। मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में कुल 131246 पुरूषों में से 108898 पुरूषों ने मतदान किया। इस तरह पुरूषों का मतदान का प्रतिशत 82.97 रहा। इसी तरह मंदसौर विधानसभा क्षेत्र की 128827 महिला मतदाताओं में से 102168 ने मतदान किया। इस तरह महिलाओं को मतदान प्रतिशत 79.31 रहा। अन्य मतदाताओं में कुल 6 मतदाताओं में से 4 ने मतदान किया। मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र में कुल 245169 में से 213503 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र में 87.08 प्रतिशत मतदान हुआ। मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र में कुल 123094 पुरूषों में से 110939 पुरूषों ने मतदान किया। इस तरह 90.13 पुरूषों का मतदान का प्रतिशत रहा। इसी तरह मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र की 122074 महिला मतदाताओं में से 102564 ने मतदान किया। इस तरह महिलाओं को मतदान प्रतिशत 84.02 रहा। अन्य मतदाताओं में कुल 1 मतदाताओं में से 0 ने मतदान किया।

सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में कुल 277847 में से 232046 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में 83.52 प्रतिशत मतदान हुआ। सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में कुल 140788 पुरूषों में से 121207 पुरूषों ने मतदान किया। इस तरह पुरूषों का मतदान का प्रतिशत 86.09 रहा। इसी तरह सुवासरा विधानसभा क्षेत्र की 137057 महिला मतदाताओं में से 110839 ने मतदान किया इस तरह महिलाओं को मतदान प्रतिशत 80.87 रहा। अन्य मतदाताओं में कुल 2 मतदाताओं में से 0 ने मतदान किया। गरोठ विधानसभा क्षेत्र में कुल 250076 में से 203803 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह गरोठ विधानसभा क्षेत्र में 81.50 प्रतिशत मतदान हुआ। गरोठ विधानसभा क्षेत्र में कुल 127099 पुरूषों में से 105588 पुरूषों ने मतदान किया। इस तरह पुरूषों का मतदान का प्रतिशत 83.08 रहा। इसी तरह गरोठ विधानसभा क्षेत्र की 122975 महिला मतदाताओं में से 98213 ने मतदान किया इस तरह महिलाओं को मतदान प्रतिशत 79.86 रहा। अन्य मतदाताओं में कुल 2 मतदाताओं में से 2 ने मतदान किया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी यादव ने मतदान में लगे सभी लोगों का आभार माना

मंदसौर, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने जिले के विधानसभा निर्वाचन के लिए 17 नवम्बर 2023 को स्वतंत्र, निष्पक्ष तथा शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न होने पर जिले के सभी मतदाताओं, राजनैतिक दलों, जनप्रतिनिधियों, अभ्यर्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, नागरिकों, पत्रकारों तथा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन का सहयोग करने पर आभार व्यक्त किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री यादव ने कहा कि जिले के मतदाताओं ने उत्साह के साथ मतदान में हिस्सा लेकर लोकतंत्र की मजबूती में अपना गौरवशाली योगदान दिया है। पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया ने भी जिले में शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न होने पर मतदाताओं, राजनैतिक दलों, जनप्रतिनिधियों, अभ्यर्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा बलों, पत्रकारों तथा नागरिकों को शांतिपूर्ण मतदान के लिए आभार व्यक्त किया है।

विधि कॉलेज पिंक मतदान केंद्र ने सबसे पहले आकर मतदान सामग्री जमा की

मतदान संपन्न होने के पश्चात आए मतदान दलों का पुष्पमाला व मिठाई खिलाकर किया भव्य स्वागत

मंदसौर, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन में मतदान हेतु नियत समय प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक रखा गया था। मतदान सामग्री संकलन स्थल राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मतदान संपन्न होने के पश्चात आए सभी दलों का भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने हार फूल एवं पुष्पमाला भेंट की। इसी के साथ वहां पर तैनात सभी कर्मचारियों को तैयारियों में जुटा दिया गया। मतदान सामग्री स्थल पर उन्होंने मतदान दलो को वापस आने में समस्या नही हों इसके लिए आवश्यक निर्देश भी दिए। सामग्री संकलन कार्य मे जुटे दल को मतदान दलों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा सामग्री का मिलान कर सही स्थान पर जमा करने की समझाइश दी।

वित्तमंत्री व भाजपा प्रत्याशी देवड़ा ने मतदान किया

मंदसौर 30 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. शासन के वित्त मंत्री व भाजपा के मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी श्री जगदीश देवडा ने मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के मतदान क्रमांक 56 (जिला पंचायत के पास) पर सपरिवार पहुंचकर मतदान किया। श्री देवडा के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रेणु देवडा व पुत्र हर्ष देवडा ने भी इसी मतदान केन्द्र पर मतदान किया। श्री देवडा ने मतदान केन्द्र के बाहर इलेक्ट्रानिक मीडिया से भी चर्चा की। आपने चर्चा में कहा कि सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करे। कोई भी मतदाता मतदान करने से वंचित नहीं रहे। आपने पत्रकारों के प्रश्न के उत्तर में कहा कि म.प्र. में पुन: भाजपा की सरकार बनने जा रही है। म.प्र. में भाजपा की सरकार ने पिछले 18 वर्षों मैं विकास के काम किये है। हमने मंदसौर जिले में विकास के जो भी काम किये है वे जनता के सामने है। इसलिये मंदसौर जिले की चारों विधानसभा सीटे भाजपा जीतेगी और म.प्र. में पुन: भाजपा की अच्छे बहुमत से सरकार बनेगी। विधानसभा चुनाव में भाजपा को 150 से अधिक सीटे मिलेगी। आपने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि भाजपा के सामने कोई चुनौती नहीं है। कांग्रेस जरूर भाजपा के सामने चुनाव लड रही है लेकिन उसने म.प्र. के विकास के लिये कुछ भी नहीं किया है।

स्वतंत्र, निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान संपन्न होने पर कलेक्टर एवं एसपी ने दी सभी को बधाई

नीमच, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत 17 नवंबर शुक्रवार को स्वतंत्र निष्पक्ष शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित मतदान संपन्न होने पर जिले के सभी मतदाताओं अधिकारी एवं कर्मचारियो मतदान दलों के अधिकारी कर्मचारी सुरक्षा बलों जवानों एवं मतदाताओं को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार तोलानी ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है. कलेक्टर एवं एसपी ने निर्वाचन कार्य में किए गए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया है।

झूलेलाल भगवान को लगाया छप्पन भोग

नीमच, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। इंटर नेशनल सिँधी समाज संगठन द्वारा दीवाली के चँड के उपलक्ष्य में इष्टदेव श्री झूलेलाल भगवान को 56 भोग लगाया गया ।समाज की महिलाओ द्वारा एक दूसरे को दीवाली की बधाइयां दे कर मिठाईया खिलाई। दिये जलाए गए।

आरती पल्लव कर प्रसाद बांटा, इंटर नेशनल सिँधी समाज संगठन की अध्यक्ष दिव्या लालवनी ने बताया कि इष्ट देव भगवान से सभी परिवारों की खुशहाली के लिए कामना करना है, जिससे परिवारजनों के ऊपर कोई विपदा नही आए एवं खुशहाल जीवन चलता रहे। भागेश्वर मंदिर प्रांगण मेंभगवान श्री झूलेलाल को छप्पन भोग अर्पित किए गए। इस छप्पन भोग में विविध प्रकार के भोज्य पदार्थों क भोग लगाया गया। इसमे सभी ने अपने घरों से अनेक प्रकार की पारंपरिक डिश तैयार करके इस आयोजन में शामिल करते हुए इष्टदेव को अर्पित भगवान झूलेलाल की आराधना पर नृत्य किया ।दीपक जला व फटाके चला कर आतिशबाजी से प्रसन्नता का इजहार किया। इसमें इसके साथ ही महाआरती का आयोजन किया गया। श्रृद्धालुओं ने जयकारे लगाए। कार्यक्रम के समापन पर सभी परिवारों की खुशहाली के लिए अरदास की गई एवं परंपरागत पल्लव पूजा की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष दिव्या लालवनी सचिव कोमल भागवानी पलक लालवनी महक चावला करीना भाग्यवानी मोनिका पाहुजा, पायल लालवानी, अंजलि आसवानी, भारती मंगवानी, जिया रामचंदानी , काजल दमेचा ,लक्ष्मी प्रेमणि ,हिमांशी रामचंदानी , लता होतवानी ओर इस दौरान बडी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल रहे। उपस्थित सभी भक्तों को प्रसादी का वितरण किया गया।

लूनाहेडा में 89.22 प्रतिशत रहा मतदान

लूनाहेड़ा, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ विधानसभा क्षेत्र के गांव लूनाहेडा में मतदान का प्रतिशत 89.22 रहा है। मतदान केन्द्र 95 पर शांतीपूर्ण तरीके से मतदान सम्पन्न हुआ। यहा पर 585 महिला, 621पुरुष कुल मतदाता 1206 है। पीठासीन अधिकारी रमेशचंद्र मेहर ने बताया कि यहा 1206 मतदाताओं में 500 महिलाएं तथा 576 पुरुष कुल 1076 मतदाताओं ने अपने मताधिकार उपयोग किया।

मनासा से मंदसौर आकर मतदान किया सोमिल नाहटा ने

मंदसौर, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष सोमील नाहटा ने 17 नवम्बर को मतदान के दिन विशेष तोर पर समय निकाल कर मनासा से मंदसौर आये ओर अपने मताधिकार का उपयोग किया। उल्लेखनीय हैं की उनके ताऊजी कांग्रेस नेता नरेंद्र जी नाहटा नीमच जिले की मनासा विधानसभा से कॉंग्रेस प्रत्याशी है ऐसे में वे पूरे दिन मनासा में मतदान करवाने में लगे थे। लेकिन मत के महत्व को समझते हुए सायं को 5.30 बजे मंदसौर पहुंचे और नूतन स्कूल स्थित मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान किया।

सुबह से रहा मतदान को लेकर उत्साह

कुचड़ोद के चारों मतदान केंद्र पर 87.32 प्रतिशत मतदान, खेतों में निंदाई गुड़ाई के के चलते महिलाएं सुबह-सुबह ही मतदान के लिए पहुंची

कुचड़ोद, 17 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव को लेकर गांव में भी काफी उत्साह देखा गया। मतदान को लेकर उत्साहित महिला पुरुष सुबह 6:30 बजे ही मतदान केन्द्रों के बाहर लाइन लगाकर खडे हो गए। दोपहर 12:00 तक ही 50% मतदान हो चुका था। इसके बाद इक्का-दुक्का मतदाता मतदान करते रहे। शाम 6:00 बजे तक गांव के चारों मतदान केंद्र पर 87.32 प्रतिशत मतदान हुआ। दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं को व्हीलचेयर से ले जाकर मतदान करवाया गया।

वही एक महिला विष्णु बाई पति जुझार लाल बागरी एवं पुरुष गोवर्धन लाल पिता हीरालाल बागरी मतदान केंद्र पर पहुंचे। पर मतदाता सूची में नाम नहीं होने से मायूस होकर लोटे। इन्होंने बताया पिछली बार विधानसभा एवं पंचायत चुनाव में वोट डाला था। इस बार वोटर लिस्ट में नाम नहीं होने का कारण मतदान नहीं कर पाए। मतदान केंद्र परिसर में मोबाइल पूरी तरह से प्रतिबंधित रहा। यहाँ पुलिस जवानों ने मतदान के लिए आए महिला पुरुषों से मोबाइल बाहर ही रखवाए। गांव में मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद रही।

✻ संयुक्त उठावना ✻

श्री देवकरण जी सम्राट की धर्मपत्नी एवं मांगीलाल जी चंद्रशेखर एवं हरीश की भाभीजी एवं राजेश, सुरेश की माताजी व हेमंत, महेश, राजकुमार, हितेश, दीपक के काकीजी एवं विक्रम, विकास की बडी मम्मी एवं हर्षित, आशुतोष की दादीजी एवं नागेश्वर जी सोनी नीलम मसाला वाले की बहन व निलेश एवं नितिन की भूआ जी श्रीमती रामसुखी बाई सम्राट का निधन दिनांक 16.11.2023 गुरुवार को हो गया है जिनका संयुक्त उठावना ता. 18/11/23 शनिवार को समय दोपहर 2 बजे रखा गया है। स्थान कुमावत धर्मशाला, रामटेकरी मंदसौर

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
सम्राट परिवार, नीलम मसाला परिवार, मन्दसौर

एजेंसी देना है
शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में
दैनिक गुरु एक्सप्रेस
की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।
9425105927, 28 -07422-495831
कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस
15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in